बाएं: वर्ष 2007 में विल्बर, वाशिंगटन राज्य में अजीबोगरीब फसल पैटर्न का ऊपर से लिया गया चित्र।
ऊपर: पैटर्न के धुर दक्षिण बिंदु से लिया अजीबोगरीब फसल घेरे का विस्तृत स्वरूप।

फोटो साभार: पीटर डेवनपोर्ट

उड़न UFO अजूबे

टॉमस एलेक्स टाइज़ॉन

पीटर डेवनपोर्ट

वाशिंगटन राज्य के एक पुराने मिसाइल परिसर में गैर मुनाफे वाला राष्ट्रीय यूएफओ सूचना केंद्र चला रहे हैं। उनका मानना है कि कहीं कुछ ज़रूर है।

वह दरवाज़ा,'' बोलकर वह थोड़ी देर नाटकीय अंदाज में खामोश हो जाते हैं। फिर कहते हैं, ''इस दरवाज़े का वजन 1,815 किलोग्राम है। इसे इतना मज़बूत बनाया गया है कि इस पर परमाणु विस्फोट का भी कोई असर नहीं पड़ेगा।''

पीटर डेवनपोर्ट की रेडियो के लायक आवाज़ है, ऐसी तेज़ आवाज़ जो दीवारों-दरवाज़ों के पार आ जाती है। लेकिन, इसे पार नहीं कर सकती। यह ठोस इस्पात का बना है और लगभग एक फुट मोटा है।

डेवनपोर्ट का यह दरवाजा एक सुरंग में खुलता है जो पूर्वी वाशिंगटन स्टेट के इस रेगिस्तान में नीचे एक ऐसे जमींदोज परिसर तक ले जाती है जो कभी नाभिकीय मिसाइल कांप्लेक्स था।

अमेरिकी वायु सेना ने 1960 के मध्य में यह जगह छोड़ दी थी और तभी से यह लगभग खाली पड़ी थी। डेवनपोर्ट लंबे अरसे से राष्ट्रीय यूएफओ सूचना केंद्र के निदेशक हैं। यह गैर मुनाफे की संस्था 24 घंटे यूएफओ यानी अनजानी उड़न वस्तुओं (अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट) के बारे में अनौपचारिक रूप से जानकारी या मदद प्रदान करती है। संस्था ने इसे वर्ष 2006 में अपना मुख्यालय बनाने के लिए 1,00,000 डॉलर में खरीदा।

लेकिन एक बुजुर्ग आदमी ने आखिर जमींदोज, बिना खिड़कियों वाले मिसाइल कांप्लेक्स को क्यों खरीदा? केवल आसमान में उड़ती अनजानी उड़न वस्तुओं की टोह लेने में अपना समय बिताने भर के लिए?

डेवनपोर्ट के पास इसका कोई जवाब नहीं है। बल्कि उन्हें जवाब देने की ज़रूरत भी नहीं है। एक पूर्णकालिक यूएफओ अन्वेषक और गैरसरकारी ही सही, विश्व के एक व्यापक आधार वाले यूएफओ डाटाबेस के इस प्रोफेसर का जीवन परंपरा से हट कर है।

यह केंद्र वर्ष 1970 से लगातार चल रहा है और यूएफओ में रुचि रखने वाले विश्व भर के वैज्ञानिक तथा वेब पर ऐसी जानकारी खोजने वाले लोग इस केंद्र को पहचानते हैं।

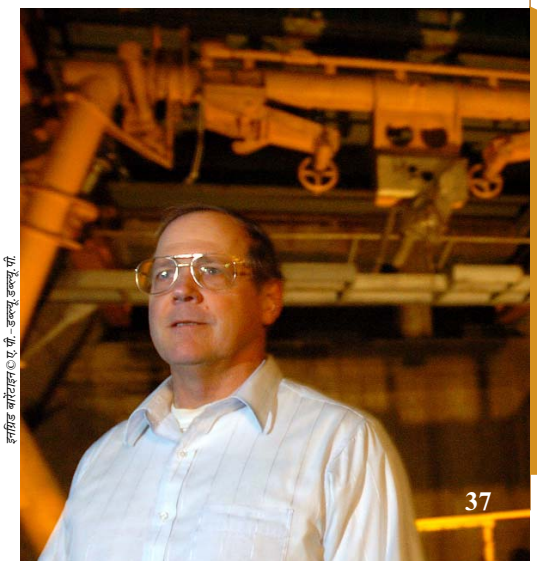

इनसिड वॉरेटाइन © ए पी - डब्ल्यू डब्ल्यू, पी.

पीटर डेवनपोर्ट अपने यूएफओ केंद्र में।

कॉपीराइट © 2008, लॉस एंजिलीस टाइम्स, अनुमति लेकर पुनर्मुद्रित।

इसकी हॉटलाइन विभिन्न वेबसाइटों पर उपलब्ध है और जिन लोगों को लगता है कि उन्होंने पृथ्वी पर किसी अनजानी चीज को देखा अथवा उसे अनुभव किया है, वे कॉल करते हैं। साल भर में 20,000 तक कॉल मिलती हैं।

अगर लगता है कि किसी मामले में दम है और वहां की दूरी भी अधिक नहीं है तो उसकी जांच डेवनपोर्ट स्वयं करते हैं। वह लिखित रिपोर्ट और प्रमाण के रिकॉर्ड लेकर उस विषय विशेष के विशेषज्ञ से विचार-विमर्श करते हैं।

साठ वर्षीय डेवनपोर्ट अत्यधिक उत्साही और बुद्धिमान व्यक्ति हैं जिनमें मीडिया के प्रति अहंकारी तिरस्कार है। वह कहते हैं, ''मैं बेवकूफों को मुंह नहीं लगाता। इस ग्रह के हर जीवित प्राणी के लिए यूएफओ से संबंधित अध्ययन का बहुत महत्व है। अगर मुझे लगेगा कि तुम मेरा वक्त बर्बाद कर रहे हो तो मैं रूखा व्यवहार करूंगा।''

उनकी ज़िंदगी इस सवाल के गिर्द घूमती है: ''ब्रह्मांड में क्या हम अकेले हैं या अकेले नहीं हैं?'' उन्हें विश्वास है कि उनके भारी दरवाज़े के पीछे इसके प्रमाण मौजूद हैं।

वह एक बेलचा उठाते हैं। अपनी इस मिसाइल साइट पर वे कई सप्ताह से नहीं आए हैं। दरवाज़े के पास बर्फ की एक मीटर मोटी परत जम गई है। वह बर्फ खोद कर किनारे फेंक देते हैं।

मार्च के आखिर में दोपहर बाद का तापमान 1 डिग्री सेल्सियस है। स्पोकेन से 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित इस भूखंड के पार सूरज बस डूबने ही को है। कहीं कोई घर नहीं दिखाई देता। दूर-दूर तक केवल बर्फ, बंजर भूमि के टीले और कहीं-कहीं मकड़ियों के मुड़े जालों की तरह बर्फ में जमी हुई टंबलवीड।

सन्नाटे में मरोड़ने की कर्कश आवाज आती है। डेवनपोर्ट ने जोर लगा कर दरवाज़ा खोल दिया है। सिर एक ओर को झुककर वह गलियारे में घुसकर अंधेरे में गायब हो जाते हैं।

रॉबर्ट बी. फ्रॉस्ट पिछले लगभग दो दशकों से डेवनपोर्ट को जानते हैं। उनके बारे में उनका कहना हैं, ''क्या वह सड़क पर चलने वाला आम आदमी नहीं, सनकी हैं? कतई नहीं, वह सनकी नहीं हैं।'' फ्रॉस्ट बोइंग की बी-2 बम वर्षक परियोजना के पूर्व चीफ इंजीनियर हैं। एक सहयोगी टैक्नीशियन के रूप में डेवनपोर्ट से उनकी भेंट सिएटल, वाशिंगटन में हुई थी।

''वह बुद्धिमान व्यक्ति हैं,'' फ्रॉस्ट कहते हैं। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है, वह इस काम में टिके रहेंगे।'' असल में फ्रॉस्ट का मतलब यह है कि समय आएगा जब यूएफओ की सच्चाई के बारे में डेवनपोर्ट की बात सही साबित होगी। हालांकि मुख्य धारा का विज्ञान येती और लॉकनेस दैत्य की तरह इसे भी नकारता है, लेकिन कई प्रसिद्ध वैज्ञानिक तथा मत संख्या के आधार पर लगभग 60 प्रतिशत अमेरिकी जनता को विश्वास है कि यूएफओ होते हैं तथा उनका अध्ययन किया जाना चाहिए। यहां यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि अनेक खगोल वैज्ञानिक इस बात पर विश्वास करते हैं कि ब्रह्मांड में अन्यत्र जीवन संभव ही नहीं बल्कि हकीकत में हो सकता है।

पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर, मानव विज्ञानी मार्गरेट मीड, मनोचिकित्सक कार्ल युंग और अंतरिक्ष यात्री गोर्डन कूपर उन प्रसिद्ध लोगों में हैं जिन्होंने या तो यूएफओ देखा अथवा इस बात पर विश्वास जताया कि यूएफओ में पृथ्वी इतर प्राणी आते हैं।

वर्ष 2007 में प्रतिनिधि डेनिस जे. कुसिनिक जब डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के नामांकन की दौड़ में शामिल थे, तो उन्होंने स्वीकार किया था कि 1980 के दशक में उन्होंने वाशिंगटन स्टेट के एक ग्रामीण क्षेत्र के ऊपर मंडराता विचित्र 'त्रिकोणाकार यान' देखा था। यह समाचार सुर्खियों में छपा।

नियति ने डेवनपोर्ट के जीवन में एक तरह से यह 6 वर्ष की उम्र में ही कर दिखाया था। वर्ष 1954 में वह अपनी मां और भाई के साथ सेंट लुई, मिज़ूरी के एक ड्राइव-इन थियेटर में एक कार में बैठे थे। उन्होंने खिड़की से बाहर झांक कर देखा तो आसमान में एक चमकदार लाल उड़नतश्तरी को मंडराते हुए देखा जो क्षितिज के पार गायब हो गई। डेवनपोर्ट ने एक बार कहा था, ''अगर कोई महत्वपूर्ण क्षण कहा जाए तो यह वही था।''

उन्होंने खूब पढ़ाई की और फिर पढ़ाई से इतर इस विषय पर जमकर लिखा। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया से जीव विज्ञान तथा रूसी भाषा में डिग्रियां हासिल कीं और यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन से आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) तथा मत्स्य जैवरसायन में स्नातक स्तर की डिग्रियां लीं। वह सिएटल क्षेत्र की जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायो सिन इंका. के संस्थापक अध्यक्ष बने और नौ वर्ष बाद वर्ष 1994 में अपना शेयर बेच कर कुछ पूंजी अर्जित की।

उसी वर्ष उन्हें सिएटल के एक अवकाशप्राप्त अग्निसुरक्षा अधिकारी रॉबर्ट ग्रिबल का फोन मिला, जिसने दो दशकों तक अकेले ही यूएफओ सूचनाओं के वितरण केंद्र और एक हफ़्ते में सातों दिन और चौबीस घंटों वाले राष्ट्रीय यूएफओ हॉटलाइन (206-722-3000) के चालक के रूप में काम किया था।

ग्रिबल यह ज़िम्मेदारी किसी और को सौंपना चाहते थे। डेवनपोर्ट ने ज़िम्मेदारी संभाल ली और तभी से वह उसी हॉटलाइन को बनाए रख कर राष्ट्रीय यूएफओ सूचना केंद्र के निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं और सारा पैसा अपनी जेब से लगा रहे हैं। कुल खर्चा 500 से 5,000 डॉलर तक आ जाता है जो यात्रा व्यय पर निर्भर करता है।

डेवनपोर्ट के अन्य खर्चे बहुत मामूली हैं। उन्होंने शादी की नहीं, बच्चे भी नहीं हैं। पुरानी कारें चलाते रहे। लगभग बारह साल तक सिएटल यूनिवर्सिटी डिस्ट्रिक्ट के पास किराए के घर में अपना केंद्र चलाया। फिर उन्हें लगा कि उनकी अपनी मिसाइल साइट होनी चाहिए।

उन्होंने अपने दोस्तों से कहा, ''मेरे लिए यह एक मोहक विचार था।'' वायुयान और रॉकेट विज्ञान में उनकी बहुत पहले से रुचि थी। उन्होंने वाशिंगटन पूर्व में मिसाइल साइलो यानी भंडारों की बिक्री के बारे में सुना। साइलो जमीन के भीतर सीधा खड़ा कंटेनर होता है जिसमें अंतर महाद्वीपीय प्रक्षेपास्त्र रखे और छोड़े जा सकते हैं।

उनमें से एक 'एटलस मिसाइल साइट नं. 6' सस्ता मिल रहा था क्योंकि उसमें पिछले मालिक ने एक दर्शक को मार कर टुकड़े-टुकड़े कर दिया था। लंबी दूरी के ट्रक ड्राइवर राल्फ बेंसन को वर्ष 2003 में हत्या के आरोप में सजा मिली थी। जेल में जब उसकी मौत हुई तो उस पर कम से कम एक और हत्या करने का संदेह था। डेवनपोर्ट ने बेंसन के बेटों से वह साइट खरीद ली।

डेवनपोर्ट कहते हैं, ''मुझे पता नहीं कैसे-कैसे लोग इन चीज़ों को खरीद लेते हैं। उनकी आवाज अंधेरे में दूर तक जाती है। वह स्टील का दरवाज़ा खुला छोड़कर रोशनी तलाशने लगते हैं।

कई बार खट-खट करने के बाद आखिर कमरे में

ज़्यादा जानकारी के लिए:

नासा यूएफ़ओ जांच

http://www.nasa.gov/vision/space/travelinginspace/no_ufo.html

राष्ट्रीय यूएफ़ओ रिपोर्टिंग केंद्र

http://www.nuforc.org/

यूएफ़ओ प्लेनट

http://www.nasa.gov/vision/universe/watchtheskies/03may_maximumvenus.html

पीली रोशनी भर जाती है। वह प्रवेश के रास्ते पर खड़े हो जाते हैं जो कंक्रीट तथा इस्पात का बना है और किसी गुफा की तरह गीला है। दोनों ओर एक-एक सुरंग है।

वह दांई ओर की सुरंग में जाते हैं और धातु की करीब 46 मीटर लंबी ट्यूब में चलते रहते हैं। वह इतनी बड़ी है कि वे बिना मुड़े उसमें चल सकते हैं। ट्यूब से वह बास्केटबाल के कोर्ट के बराबर आकार की गुफा में पहुंचते हैं। हल्के अंधेरे में वहां पड़े मलबे के ढेर साफ दिखाई देते हैं।

अपनी भारी रेडियो वाली आवाज में वह कहते हैं, ''लांच कंट्रोल रूम।'' डेवनपोर्ट विवरण देते हैं सैन्य दस्तावेज़ों से प्रमाणित हैं : छत की ऊंचाई पांच मीटर, दीवालों की मोटाई 46 सेंटीमीटर। कांप्लेक्स का निर्माण 30 लाख टन कंक्रीट से किया गया जो 2.5 किलोमीटर की दूरी पर हिरोशिमा बम से 50 गुना अधिक शक्तिशाली बम के विस्फोट को सहन कर सकता है।

वह प्रकोष्ठ में वापस आकर उसी तरह निर्मित दूसरी सुरंग में प्रवेश करते हैं। उसमें भी गुफा के समान खुली जगह है: मिसाइल कक्ष।

इस परिसर को ''कॉफिन लांचर'' यानी ताबूत प्रक्षेपक कहा जाता था। एटलस मिसाइल यहीं रखी जाती थीं। छत के ऊपर खिसकने वाला धातु का दरवाज़ा था जो द्रव इंजीनियरी (हाइड्रॉलिक्स) से रॉकेट को छोड़ने के लिए ऊपर उठाने पर स्वयं खुल जाता था।

मिसाइल कक्ष के पीछे घुप अंधेरे में डेवनपोर्ट के जीवन भर का काम पड़ा है: विश्व भर से प्राप्त यूएफओ देखे जाने की हज़ारों रिपोर्टों का संग्रह। उनके पास प्राइम टाइम में दिखाए गए टेलीविजन कार्यक्रम 'द एक्स फाइल्स' से भी पुरानी फाइलें मौजूद हैं।

सभी सूचनाओं पर बहुत सलीके से लेबल लगाकर उन्हें फाइलों में छोटे-बड़े आकार की लंबी कतार में खड़ी केबिनेटों में रखा गया है। वे किसी मिनी शहर के क्षितिज की भांति दिखाई देती हैं।

योजना यह थी कि यहीं रह कर काम किया जाएगा। लेकिन, यहां अपेक्षा से ज़्यादा काम चाहिए था। यहां पानी भी रिसता है। जगह हवादार नहीं है और थोड़ी चमगादड़ों की भी समस्या है।

फिलहाल इस केंद्र के फोन और जवाब देने वाली मशीन मिसाइल साइट नं. 6 के पूरी तरह तैयार हो जाने तक यहां से कुछ किलोमीटर दूर डेवनपोर्ट के हैरिंगटन अपार्टमेंट में लगी रहेगी। साइट का अधिकांश काम डेवनपोर्ट स्वयं कर रहे हैं।

जब वह आसपास अपनी फ्लैश लाइट चमकाते हैं तो साए हिलने-डुलने लगते हैं। वह नजदीक की केबिनेट तक जाते हैं, उसकी दराज खोलते हैं और अंदाज से फाइलों का गट्ठर निकाल लेते हैं। इन्हें रोजनामचा कह सकते हैं। मासिक फाइल। विवरण का नमूना देखिए:

6 जनवरी, 1995. 0:15 वार्म बीच, वांशिगटन। दो महिलाओं ने एक अजीब 'रोशनी की रस्सी' से जुड़ा गोला देखा।

6 जनवरी, 1995. 17:30 ग्लेंडो, वायोमिंग। मां और बेटे ने बादल में मंडराता विशाल जगमगाता यान देखा। सैनिक हवाईजहाज ने उसका पीछा किया।

7 जनवरी, 1995. 5:00 मकाप्पु प्वाइंट, हवाई। एक आदमी और उसकी पत्नी ने समुद्र के ऊपर एक अजीब, कूबड़ वाली तिकोनी चीज देखी। खिड़कियां अपारदर्शी थीं।

डेवनपोर्ट का कहना है कि यूएफओ देखने की तमाम घटनाओं में से 90 प्रतिशत तक की व्याख्या की जा सकती है: मौसमी गुब्बारे, सैन्य यान, उपग्रह आदि। काफी घटनाएं झूठी भी होती हैं।

लेकिन, बहुत कम प्रतिशत ही सही, हर साल बस कुछ ही घटनाएं ऐसी भी होती हैं जब सचमुच कुछ दिखाई दिया, ऐसा कई विश्वसनीय स्रोतों से पता चलता है। इनकी व्याख्या नहीं की जा सकती।

उन्हें विश्वास है, इनके प्रमाण कागजों के इन ढेरों में दबे हुए हैं, जिनकी सूची उन्होंने बहुत सावधानी से तैयार की है। बस, सरकार या कोई विश्वविद्यालय इस पर शोध कार्य कर दे।

वह कहते हैं, ''मैं आंकड़े देने को तैयार हूं। मैं यह सब उसे दे दूंगा जो इसके बारे में जानना चाहेगा।'' लेकिन, बहुत कम लोग सामने आए। वह कहते हैं, अगर किसी दिन यूएफओ की कोई ऐसी घटना हो गई जिसे नकारना संभव नहीं होगा, तब लोग जानबूझ कर पाषाण युग से साइबर स्पेस तक की लंबी छलांग लगाने के लिए मज़बूर हो जाएंगे। यदि ऐसा हो गया तो इस जमींदोज महल की फाइलें महत्वपूर्ण हो जाएंगी। अन्यथा नहीं।

दोनों में से कोई एक दृश्य संभव हो सकता है। क्लासिक उपन्यास *2001: ए स्पेस ओडिसी* के लेखक आर्थर क्लार्क ने, जिनका निधन श्रीलंका में मार्च में हुआ, कभी कहा था: ''ब्रह्मांड में हम या तो अकेले हैं या अकेले नहीं हैं। दोनों स्थितियां भयभीत करती हैं।''

डेवनपोर्ट दराज को बंद कर देते हैं। लंबी सांस लेते हैं। बाहर सूरज डूब चुका है और इतना अंधेरा छा चुका है कि सांझ के आसमान में खगोलीय पिंड साफ दिखाई देने लगे हैं। दक्षिणी आकाश में व्याध तारामंडल (ओरायन) निकल आया है और मंगल भी टिमटिमा रहा है।

''इस तरह के दुरूह विषय के अध्ययन में बहुत कम लोग अपना जीवन खपाएंगे,'' घर की ओर गाड़ी ड्राइव करते हुए डेवनपोर्ट कहते हैं। उनके पास 18 वर्ष पुरानी ग्रे रंग की क्राउन विक्टोरिया गाड़ी है जो 400,000 किलोमीटर चल चुकी है। विंडशील्ड में दरारें पड़ी हुई हैं। ''कभी-कभी सोचता हूं, मैं यह सब क्यों कर रहा हूं।''

फिर वह सिएटल के एलग्र बर्ग को याद करते हैं। बर्ग बढ़ई और मैकेनिक थे। उन्होंने अलास्का के एक छोटे से गांव में देखी हुई उस चीज़ की कहानी कहने के लिए 64 वर्ष इंतजार किया जिसे उन्होंने तब देखा जब वह एक युवक थे: सिगार के आकार का यान जिसमें नीली-हरी रोशनी जगमगा रही थी। वह यान उनके सिर के ऊपर आसमान में उड़ा और फिर पहाड़ों में गायब हो गया।

रेडियो पर डेवनपोर्ट की बात सुनने के बाद बर्ग ने उन्हें यूएफओ के बारे में बताने की ठान ली। उन्हें बताने के चार माह बाद वर्ष 2001 में 84 वर्ष की उम्र में बर्ग का निधन हो गया।

डेवनपोर्ट ने उसकी कहानी कैसेट में रिकॉर्ड कर ली थी और उस घटना का यही एक रिकॉर्ड है। हां, यदि कोई भी, कभी भी, किसी भी कारण से इसे देखना चाहे तो वह टेप तथा उससे संबंधित विवरण वीरान रेगिस्तान के नीचे एक सुरक्षित जगह में फाइल कैबिनेटों के मिनी शहर के भीतर उसका इंतज़ार कर रहे हैं।

***टॉमस एलेक्स टाइजॉन** लॉस एंजिलीस टाइम्स के कार्यालय लेखक हैं।*

नासा ने की यूएफ़ओ पड़ताल

बाएं: अपोलो 16 की एक मूल वीडियो फ़िल्म के संपूर्ण फ्रेम के डिजिटल स्कैन चित्र में एक संदिग्ध वस्तु (बीच में) और चंद्रमा के सापेक्ष इसकी स्थिति दिखाई दे रही है। अंतरिक्ष यान की खिड़की में उभरी परछाई भी दिख रही है। नासा ने अपने वैज्ञानिकों से इसकी जांच कराई।

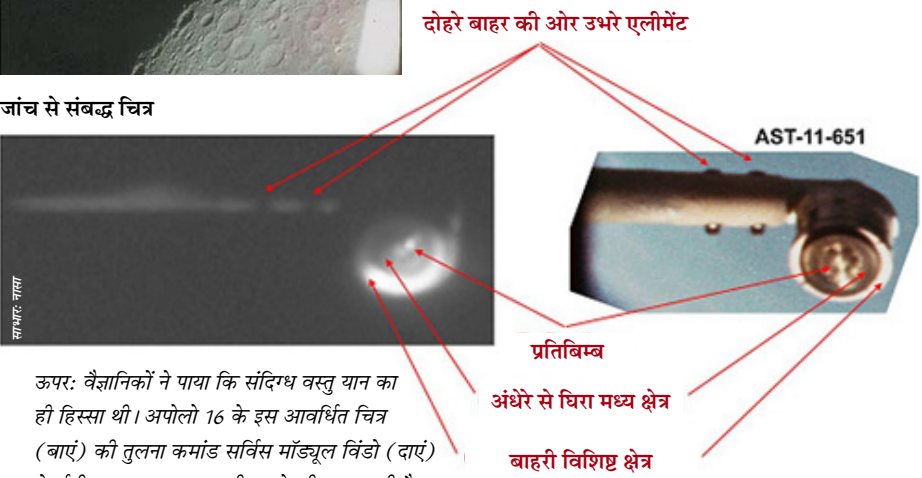

ऊपर: वैज्ञानिकों ने पाया कि संदिग्ध वस्तु यान का ही हिस्सा थी। अपोलो 16 के इस आवर्धित चित्र (बाएं) की तुलना कमांड सर्विस मॉड्यूल विंडो (दाएं) के ईवीए फ़्लडलाइट/बूम फ़ीचर से की जा सकती है।